UNIVERSITY NEWS 09 MAY 2026

VOICE OF LUCKNOW

लविवि : कुलपति ने दिया मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने शुक्रवार को ग्यारह चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह अवसर विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आया जब मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सीधे कुलपति द्वारा सौंपे गए। इस कदम ने न केवल संस्थान की संवेदनशीलता और पारदर्शिता को उजागर किया बल्कि कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। इन नियुक्तियों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मृतक आश्रितों के आवेदन कई वर्षों से लंबित थे। लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को आज न्याय मिला और उनकी पीड़ा का समाधान हुआ। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में वली अहमद (2018), आर्यन कश्यप (2023), अर्जित तिवारी (2024), विपिन कुमार मिश्रा (2024), कुलदीप कश्यप (2022), शिव वाल्मीकि (2025), प्रदीप श्रीवास्तव (2025), तुषार कुमार (2025), अनुपम सिंह (2025), मनीष कश्यप, संकल्प शीर्ष और अनुपम सिंह शामिल हैं। कुलपति प्रो. सैनी ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील है। मृतक आश्रितों को समय पर अवसर देना हमारी जिम्मेदारी है। यह कदम संस्थान की कार्य संस्कृति को और अधिक मानवीय बनाता है तथा कर्मचारियों में विश्वास और आत्मीयता को मजबूत करता है"।+ "उन्होंने आगे कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय की पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।ये नवनियुक्त कर्मचारी पूरी निष्ठा और लगन से विश्वविद्यालय की सेवा करेंगे ऐसी वे आशा करते हैं।

HINDUSTAN TIMES

Dependents of LU's deceased staff given appointment letters

LUCKNOW: University of Lucknow on Friday handed over appointment letters to the dependents of 11 deceased Grade III and Grade IV employees. Officials said it was the first time in the university's history that the Vice Chancellor personally distributed the appointment letters. The applications had remained pending for several years.

AMRIT VICHAR

लविवि में पीएचडी प्रवेश की तैयारी शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर विभागों में उपलब्ध पूर्णकालिक और अंशकालिक रिक्त सीटों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि नवीन पीएचडी अध्यादेश-2026 के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जानी है। इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) से अनुमोदन प्राप्त कर सीटों का ब्योरा निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराना होगा। पत्र के अनुसार विभागों को 20 मई तक अधिष्ठाता कार्यालय के माध्यम से शोध प्रकोष्ठ में सीटों का विवरण जमा करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि समय से जानकारी मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे नए सत्र में पीएचडी दाखिले समयबद्ध तरीके से कराए जा सकें।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिला नियुक्ति पत्र

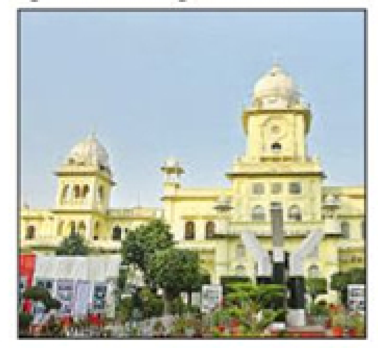

अमृत विचार , लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने ग्यारह चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया है। विश्वविद्यालय में पहली बार मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सीधे कुलपति द्वारा सौंपे गए। इन नियुक्तियों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मृतक आश्रितों के आवेदन कई वर्षों से लंबित थे। लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को आज न्याय मिला और उनकी पीड़ा का समाधान हुआ। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में वली अहमद (2018), आर्यन कश्यप (2023), अर्जित तिवारी (2024), विपिन कुमार मिश्रा (2024), कुलदीप कश्यप (2022), शिव वाल्मीकि (2025), प्रदीप श्रीवास्तव (2025), तुषार कुमार (2025), अनुपम सिंह (2025), मनीष कश्यप, संकल्प शीर्ष और अनुपम सिंह शामिल हैं।

DAINIK JAGRAN

एक नजर में

लवि से मांगा पद्म विभूषण, पद्म श्री का प्रस्ताव

लखनऊ : शासन के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने सभी विभागो से पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री की उपाधियो के प्रस्ताव 12 मई को शाम पांच बजे तक भेजने के लिए कहा है। इस संबंध मे कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने शुक्रवार को सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, संन्वयक, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के इंचार्ज को पत्र जारी किया है। सभी विभागो को निर्धारित प्रारूप पर प्रस्ताव उपलब्ध कराना होगा। वि.

प्लेसमेंट सेल में कई शिक्षक किए शामिल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने मुख्य परिसर मे प्लेसमेंट सेल के लिए कई शिक्षको को जिम्मेदारी दी है। इनमे बतौर सदस्य केमिस्ट्री से डा. शशि पांडेय, समाज कार्य से डा. ओमेंद्र कुमार यादव, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से डा. अनु कोहली, सांख्यिकी से डा. अनुपमा सिंह, अप्लाइड इकोनामिक्स से डा. करुणा शंकर कनौजिया, पालीटिकल साइंस से डा. जितेंद्र कुमार, बाटनी से डा .नेहा साहू का नाम शामिल है। वि.

TIMES OF INDIA

LU proposal to upgrade Arts College

IN FOR A FACELIFT

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: A Rs 20.15 crore proposal to expand the Arts College of Lucknow University (LU) has been submitted to the state govt.

The proposal includes construction of new academic buildings, a dedicated exhibition hall, staff quarters, new hostels for boys and girls, and revival of key sections such as sculpture, photography and crafts.

Principal Ratan Kumar said, "Recently, the issue of renovation of Arts College was raised in the legislative assembly by a member, considering its historical and cultural importance."

"The proposal, if approved, will help improve academic infrastructure and provide better facilities for students across departments. It will support both academic growth and overall student development at the arts college," said Kumar.

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय में नवीन पीएचडी अध्यादेश-2026 के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित होगी

एलयू में पीएचडी प्रवेश की तैयारी विभागों से मांगी सीटों की जानकारी

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर विभागों में उपलब्ध पूर्णकालिक और अंशकालिक रिक्त सीटों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि नवीन पीएचडी अध्यादेश-2026 के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जानी है। इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) से अनुमोदन प्राप्त कर सीटों का ब्योरा निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराना होगा। पत्र के अनुसार विभागों को 20 मई तक अधिष्ठाता कार्यालय के माध्यम से शोध प्रकोष्ठ में सीटों का विवरण जमा करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि समय से जानकारी मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे नए सत्र में पीएचडी दाखिले समयबद्ध तरीके से कराए जा सकें।

■ कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी किया गया पत्र

टेक्नोलॉजी संग पौरोहित्य वास्तु शास्त्र की पढ़ाई

विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से कई कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि बीसीए एआई एंड एमएल, बीसीए डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी एंड फॉरेंसिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की 75-75 सीटों पर शुरू हो रहा है। परास्नातक में एमए पौरोहित्य, एमए वास्तु शास्त्र की 38-38 सीट समेत अन्य कोर्स शुरू होंगे।

मृतक आश्रितों की चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति पर छिड़ा विवाद

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र वितरण के साथ ही नियुक्तियों को लेकर विवाद भी सामने आ गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शुक्रवार को मंथन हॉल में 11 चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सौंपे। विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद ने फैसले पर आपत्ति जताई है।

परिषद का आरोप है कि जिन मृतक आश्रितों को उनकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर तृतीय श्रेणी पद पर नियुक्त किया जाना चाहिए था, उन्हें चतुर्थ श्रेणी में सेवायोजित किया गया। परिषद के अनुसार मृतक आश्रित नियोजन समिति ने कई अभ्यर्थियों को कनिष्ठ सहायक पद पर नियुक्त करने की संस्तुति दी थी, लेकिन प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया।

> अभी कोई कर्मचारी परिषद नहीं है तो कोई टिप्पणी उचित नहीं है। प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, प्रवक्ता एलयू

कर्मचारी परिषद का कहना है कि संबंधित कर्मचारियों के अभिभावकों की मृत्यु नई नियमावली लागू होने से पहले हुई थी, इसलिए उन्हें पूर्व प्रावधानों के तहत तृतीय श्रेणी पद का लाभ मिलना चाहिए था। परिषद ने दावा किया कि पूर्व में इसी नियमावली के आधार पर अनिता राव और तनीशा गौड़ को कनिष्ठ सहायक पद पर नियुक्ति दी जा चुकी है।

DAINIK JAGRAN

मृतक आश्रितों को मिले नियुक्ति पत्र, भर आईं आंखें

लवि मे मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र देते कुलपति प्रो. जेपी सैनी • सौ लवि

जागरण संवाददाता • लखनऊ: वर्षों से अपनों को खोने के दर्द और नौकरी की आस में इंतजार कर रहे कई मृतक आश्रितों की आंखें भर आईं। शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने 12 मृतक आश्रितों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे, तो यह केवल नौकरी मिलने का क्षण नहीं था, बल्कि उन परिवारों के संघर्ष, उम्मीद और सम्मान को लौटाने का भावुक पल भी बन गया। कुलपति से नियुक्ति पत्र पाने के बाद नवनियुक्त 11 चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी ने उन्हें धन्यवाद दिया।

दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय में मृतक आश्रितों के आवेदन कई वर्षों से लंबित थे। इनमें 2018 से वली अहमद, 2022 से कुलदीप कश्यप, 2023 से आर्यन कश्यप, 2024 से अर्जित तिवारी, विपिन कुमार मिश्रा, 2025 से शिव वाल्मीकि, प्रदीप श्रीवास्तव, तुषार कुमार, अनुपम सिंह, मनीष कश्यप, संकल्प शीर्ष और अनुपम सिंह शामिल हैं। कई बार प्रशासनिक भवन से लेकर संबंधित विभागों के चक्कर काटने के बाद भी उन्हें मृतक आश्रित कोटे में नियुक्ति नहीं मिल पा रही थी। नए कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने आने के बाद इन सभी की पत्रावलियां तलब कीं और नियुक्ति देने की प्रक्रिया जल्द पूरा करने के निर्देश दिए थे। कई साल इंतजार के बाद तृतीय श्रेणी के एक और चतुर्थ श्रेणी के 11 कर्मचारियों को नियुक्त पत्र मिल गया। लवि कर्मचारी परिषद के पूर्व अध्यक्ष रिंकू राय ने कहा कि कई साल से यह प्रकरण लंबित थे, जिनका समाधान अब हो सका। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, सभी सहायक कुलसचिव, उपकुलसचिव, लूटा अध्यक्ष प्रो. अनित्य गौरव, महामंत्री प्रो. राम मिलन, समस्त संकायों के डीन उपस्थित रहे।

2018 से लेकर 2025 तक लंबित थे कर्मचारियों के प्रकरण

> विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियो और उनके परिवारो के प्रति संवेदनशील है। मृतक आश्रितो को समय पर अवसर देना हमारी जिम्मेदारी है। नवनियुक्त कर्मचारी पूरी निष्ठा और लगन से विश्वविद्यालय की सेवा करेंगे ऐसी आशा करता हूं।
>
> **प्रो.जेपी सैनी,** कुलपति, लवि

उठाई गई आपत्ति

लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी नेता राकेश यादव और संजय शुक्ला का आरोप है कि जिन मृतक आश्रितो को चतुर्थ श्रेणी के पद पर समायोजित किए जाने का आदेश जारी किया गया है, उनमे आठ को पूर्व मे मृतक आश्रित नियोजन समिति ने तृतीय श्रेणी पर सेवायोजित किए जाने की संस्तुति की थी, जारी आदेश उनके भविष्य को अंधकारमय करने वाला है।

सत्र 2026-27 में पीएचडी प्रवेश के लिए विभागों से मांगीं सीटें

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के पीएच.डी प्रवेश को लेकर शुरू कर दी है। इसके लिए कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर पूर्णकालिक एवं अंशकालिक सीटों का विवरण विभागीय शोध समिति (डीआरसी) से संस्तुति कराकर 20 मई तक अनिवार्य रूप से भेजने के लिए कहा है।

यह विवरण प्रवेश समन्वयक के कार्यालय में निर्धारित प्रारूप पर भेजना है। वहीं, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई और रायबरेली के राजकीय व अनुदानित कालेजों से उनके यहां पीएच.डी कराने के लिए अर्ह शिक्षकों एवं उनके अंतर्गत विषयवार, विभागावार सीटों का विवरण डीआरसी के माध्यम से 14 मई तक देने के लिए कहा है। वर्तमान में 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया चल रही है, जिनमें कई विषयों की मेरिट सूची जारी की गई है। वि.

AMAR UJALA

आश्रितों को मिले नियुक्ति पत्र

मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र देते कुलपति प्रो. जेपी सैनी। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। अपनों को खोने का दुख और फिर नौकरी के लिए वर्षों तक इंतजार। इन कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे 12 मृतक आश्रितों के लिए शुक्रवार राहत और खुशी लेकर आया। लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के निधन के बाद उनके परिजनों को आश्रित कोटे में नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने नियुक्ति पत्र देकर आश्रितों को नई शुरुआत का भरोसा दिया। नियुक्ति पत्र मिलते ही कई परिजनों की आंखें नम हो गईं। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहला अवसर बताया जा रहा है, जब कुलपति ने सीधे मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, लूटा अध्यक्ष प्रो. अनित्य गौरव और महामंत्री प्रो. राम मिलन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 12 मृतक आश्रितों को मिला रोजगार

■ **टूट रही थी उम्मीद :** नियुक्ति पत्र मिलने के बाद अर्जित तिवारी ने कहा कि जिस तरह से नियुक्ति पत्र मिला, इसकी उन्होंने कल्पना नहीं की थी। लंबे इंतजार के कारण उनकी उम्मीद टूटने लगी थी। तुषार कुमार ने कहा कि नौकरी मिलने से अब परिवार का खर्च चलाना आसान होगा। प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें लग रहा था कि काफी संघर्ष करना पड़ेगा, लेकिन प्रक्रिया अपेक्षा से सरल रही। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील है।

■ **इन्हें मिला नियुक्ति पत्र :** वली अहमद, आर्यन कश्यप, अर्जित तिवारी, विपिन कुमार मिश्रा, कुलदीप कश्यप, शिव वाल्मीकि, प्रदीप श्रीवास्तव, तुषार कुमार, अनुपम सिंह, मनीष कश्यप, संकल्प शीर्ष और अनुपम सिंह।

NBT

दूसरे विवि के छात्र LU में करेंगे इंटर्नशिप

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के विभाग अब पढ़ाई और शोध के साथ दूसरे विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटर्नशिप भी करवाने जा रहे हैं। इसके लिए विवि में इंटर्नशिप-डिजर्टेशन प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत अब विवि के सभी विभागों में दूसरे विश्वविद्यालय के छात्र इंटर्नशिप कर सकेंगे। इसके लिए विवि जिस तरह कोर्स के लिए आवेदन फॉर्म जारी करता है ठीक उसी तरह विवि इसके लिए भी आवेदन मांगेगा। विभागवार इसमें दाखिले होंगे और इंटर्नशिप के बाद छात्रों को एलयू का सर्टिफिकेट दिया जाएगा। अब तक विवि में इंटर्नशिप का कोई सिस्टम नहीं था। इसके लिए विवि की ओर से शुल्क भी निर्धारित किया गया है।

इंटर्नशिप-डिजर्टेशन प्रोग्राम में दो कैटिगरी को रखा गया है। इसमें शार्ट टर्म इंटर्नशिप जो एक से दो माह की होगी। वहीं दूसरी लॉन्ग टर्म इंटर्नशिप जो छह माह तक की अवधि के लिए होगी। अब तक शहर के साइंटिफिक इंस्टिट्यूट व मेडिकल इंस्टिट्यूट ही इंटर्नशिप कराते थे। लेकिन अब विवि के साइंस, लॉ, इंजिनियरिंग, आर्ट्स समेत मैनेजमेंट व अन्य इंस्टिट्यूट भी छात्रों को इंटर्नशिप कराएंगे। विवि की रैंकिंग सेल इंचार्ज प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इसके लिए विवि की ओर से जल्द ही एक पोर्टल शुरू किया जाएगा। उसी पोर्टल पर आवेदन करना होगा। प्रक्रिया सेंट्रलाइज्ड होगी।

पीएचडी की तर्ज पर तय होंगी सीटें

जितने भी छात्र इंटर्नशिप करेंगे उन्हे किसी शिक्षक के अंडर मे इंटर्नशिप कराई जाएगी। विवि की ओर से पीएचडी की तर्ज पर इंटर्नशिप की सीटो का निर्धारण किया जाएगा। विवि की ओर से इसकी एक विस्तृत पॉलिसी बनाई गई है। इसमे एक प्रफेसर अधिकतम 8 छात्र, असोसिएट प्रफेसर अधिकतम 6 छात्र और असिस्टेंट प्रफेसर अधिकतम 4 छात्रों को एक समय मे इंटर्नशिप करा सकेंगे।

AMAR UJALA

लविवि में पीएचडी प्रवेश की तैयारी शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया की तैयारी शुरू हो चुकी है। शुक्रवार को सभी विभागाध्यक्षों से पीएचडी की खाली सीटों का ब्योरा मांगा गया है। विवि प्रशासन ने विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर विभागों में उपलब्ध पूर्णकालिक और अंशकालिक रिक्त सीटों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने बताया कि नए पीएचडी अध्यादेश-2026 के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जानी है। इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) से अनुमोदन प्राप्त कर सीटों का ब्योरा निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराना होगा। पत्र के अनुसार विभागों को 20 मई तक अधिष्ठाता कार्यालय के माध्यम से शोध प्रकोष्ठ में सीटों का विवरण जमा करना है। (संवाद)

VOICE OF LUCKNOW

कुलपति ने 12 मृतक आश्रितों को दिये नियुक्ति पत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शुक्रवार को 11 चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिये। लविवि प्रशासन के अनुसार इन नियुक्तियों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मृतक आश्रितों के आवेदन कई वर्षों से लंबित थे। लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को आज न्याय मिला और उनकी पीड़ा का समाधान हुआ। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में वली अहमद (2018), आर्यन कश्यप (2023), अर्जित तिवारी (2024), विपिन कुमार मिश्रा (2024), कुलदीप कश्यप (2022), शिव वाल्मीकि (2025), प्रदीप श्रीवास्तव (2025), तुषार कुमार (2025), अनुपम सिंह (2025), मनीष कश्यप, संकल्प शीर्ष और अनुपम सिंह शामिल हैं। कुलपति प्रो. सैनी ने नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील है। मृतक आश्रितों को समय पर अवसर देना हमारी जिम्मेदारी है। यह कदम संस्थान की कार्य संस्कृति को और अधिक मानवीय बनाता है तथा कर्मचारियों में विश्वास और आत्मीयता को मजबूत करता है। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, सभी सहायक कुलसचिव, उपकुलसचिव, लूटा अध्यक्ष प्रो. अनित्य गौरव, महामंत्री प्रो. राम मिलन, समस्त संकायों के डीन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।